Vol 5 Issue 5 June 2015

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

International Recognized Double-Blind Peer Reviewed Multidisciplinary Research Journal
Indian Streams Research Journal
ISSN 2230-7850 Impact Factor : 3.1560(UIF)
Volume - 5 | Issue - 5 | June - 2015 Available online at www.isrj.org

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली चुनने के कारणों का दो विश्वविद्यालयों के संदर्भ में अध्ययन

अमित कुमार
शोध–छात्र समाजशास्त्र विभाग बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ.

Short Profile
Amit Kumar is a Social science research student at Department of Babasaheb Bhimrao Ambedkar University , Lucknow .

सारांश :
उत्तर प्रदेश में व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली का प्रयोग करने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या लगभग 15 लाख है। इन छात्र–छात्राओं द्वारा किसी न किसी कारण से इस परीक्षा प्रणाली का चुनाव किया जाता है। इन्ही कारणों को जानने के लिए दो विश्वविद्यालयों क्रमशः छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी से इस प्रणाली का उपयोग कर रहे छात्र–छात्राओं से जानने के प्रयास के लिये अध्ययन किया गया है।
प्रस्तुत शोध–पत्र में व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली के छात्रों द्वारा प्रणाली के चुनने के कारण का अध्ययन किया गया है। छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली के चुनने के कारणों के अंतर्गत छात्रों द्वारा स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत संस्थागत शिक्षा के लिये प्रयास व चयन की स्थिति तथा संस्थागत शिक्षा के लिये चयन होने के बावजूद प्रवेश नही लेने के कारणों का विश्लेषण किया गया है। छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा के साथ–साथ किये जाने वाले कार्य, व्यक्तिगत शिक्षा चुनने के मुख्य कारण तथा विश्वविद्यालय व लिंगानुसार छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली के चुनने के कारणों का विश्लेषण किया गया है।

प्रस्तावना

प्रदेश के चहुँमुखी एवं नियोजित विकास के लिए उच्च शिक्षा का विशेष महत्व है। उच्च शिक्षा का विकास वर्तमान में विद्यमान आवश्यकताओं एवं भविष्य की संभावनाओं तथा सामाजिक अपेक्षाओं के आलोक में किया जाना है। वर्तमान में उच्च शिक्षा मात्र सीखने व जानने का उपक्रम अथवा मनुष्य के मानसिक और बौद्धिक धरातल पर होने वाली जानकारियों–सूचनाओं के आदान–प्रदान तक ही सीमित नहीं है, वरन् सुयोग्य सुसंस्कृत एवं उत्कृष्ठ चरित्रधारी प्रबुद्ध पीढ़ियों का निर्माण भी उच्च शिक्षा का प्रमुख दायित्व है। छात्र–छात्राओं में समता, समरसता, सामाजिक सरोकार के

Article Indexed in :
DOAJ Google Scholar DRJI
BASE EBSCO Open J-Gate

विषयों में युवाओं की संलग्नता, धर्मनिरपेक्ष, पर–कल्याण, राष्ट्रनिर्माण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा मनुष्यों के उच्चादर्शों के विकास के लिए सुनियोजित उच्च–शिक्षा आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली का उपयोग प्रदेश में विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा किया जाता है। उत्तर प्रदेश में संचालित कुल 9 राज्य विश्वविद्यालयों में व्यक्तिगत परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उच्च शिक्षा के प्रसार और विश्वविद्यालयों की स्वयं की आर्थिक निर्भरता के लिए इस प्रणाली का उपयोग किया जाता है क्योंकि इससे विश्वविद्यालयों को आर्थिक लाभ मिलता है और ऐसे छात्र जो कि संस्थागत शिक्षा प्राप्त नही कर पा रहे है उन्हे उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलती है।

उत्तर प्रदेश में उच्चशिक्षा

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उत्तर प्रदेश में उच्चशिक्षा का प्रसार हुआ है जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लोक कल्याण के निमित्त प्राथमिकता के आधार पर शैक्षिक रूप से अविकसित तथा पिछड़े क्षेत्रों में विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। शासन का प्रयास है कि बदलते हुये वैश्विक परिवेश में समाज का संतुलित विकास हो एक उसके विभिन्न अवयवों के मध्य पारस्परिक सामंजस्य की स्थिति को सुनिश्चित करने के लिये शैक्षिक संस्थाओं के गुणात्मक विकास पर बल दिया जाय, ताकि राष्ट्र निर्माण के उच्चतर लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। इन आदर्शो को साकार करने की दिशा में शासन द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रदेश के उच्च शिक्षा के संस्थानों में आधुनिकतम संसाधनों से परिपूर्ण उच्च कोटि की शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध हो साथ ही शासन द्वारा इस बात पर भी विशेष बल दिया जा रहा है कि छात्र–छात्राओं को व्यवसाय–परक शिक्षा प्रदान की जाय जिससे प्रदेश का उच्च शिक्षित युवा वर्ग स्वावलम्बी बन सके, शिक्षित युवाओं की सरकारी सेवाओं पर निर्भरता में उत्तरोत्तर कमी आ सके और देश की समृद्धि एवं उन्नति में वह अपना अमूल्य योगदान दे सके। वर्तमान समय में शासन विशेष सक्रियता के साथ सन्नद्ध होकर सुयोग्य प्राध्यापकों की नियुक्ति, भवन निर्माण/विस्तार, समृद्ध पुस्तकालय, महाविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, सुसज्जित प्रयोगशाला तथा महाविद्यालयों के कम्प्यूटरीकरण जैसे कार्यो पर विशेष ध्यान दे रहा है। दूसरी ओर प्राथमिकता के आधार पर, उच्चशिक्षा में निजी पूंजी निवेश एवं सहभागिता को आकृष्ट करने की दिशा में असेवित क्षेत्रों महाविद्यालयों की स्थापना किये जाने के सिद्धान्त को क्रियान्वित किया जा रहा है। उच्चशिक्षा के कार्यो के सम्पादन एवं अनुश्रवण हेतु वर्ष 1980–81 में गोरखपुर, 1984–85 में लखनऊ, वर्ष 1990–91 में कानपुर, 1992'93 में मेरठ एवं 1995–96 मं आगरा, बरेली, झॉसी तथा वाराणसी में उच्च शिक्षा के क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना की गई है।

व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली

उत्तर प्रदेश देश की सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है। प्रतिवर्ष सर्वाधिक संख्या में छात्र स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण कर रहे हैं। उत्तीर्ण छात्रों के अनुपात में उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या कम है। जिसके कारण सभी छात्रों का अपने विशय के अनुसार प्रवेश मिलना बहुत ही कठिन है। विश्वविद्यालय तथा कालेजों में संस्थागत रूप से छात्रों के प्रवेश के लिये सीटे बहुत कम मात्रा में हैं चूँकि शिक्षा मौलिक अधिकार है। इसलिये किसी भी व्यक्ति को शिक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता। भारत एक प्रजातांत्रिक देश होने के कारण विकास के अवसर समान रूप से प्रत्येक व्यक्ति को देती है। इसी को ध्यान में रखते हुये जो छात्र संस्थागत रूप से प्रवेश नहीं पाते उनको विकल्प रूप में व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करती है।

छात्रों के अवसर के साथ–साथ विश्वविद्यालयों की आर्थिक स्थिति सुधारने का भी अवसर प्राप्त होता है। उत्तर प्रदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा व्यक्तिगत परीक्षा करायी जाती है। प्रदेश के अधिकतर विश्वविद्यालयों तथा कालेजों की वित्तीय स्थिति संस्थागत रूप से दयनीय दिखाई जाती है। व्यक्तिगत परीक्षा आयोजन कराने से कुछ हद तक उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार होता है। साथ ही साथ उच्च शिक्षा के लिये समान अवसर प्रदान करते हैं। प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के व्यक्तिगत परीक्षा में शामिल होने के लिये उनके अपने नियम व प्रावधान है।

व्यक्तिगत परीक्षा के उद्देश्य

1.उच्चशिक्षा का लाभ कमजोर वर्गो के छात्रों को भी मिले।
2.उच्चशिक्षा का विकास तीव्रगति से हो।
3.उच्चशिक्षा का विकास ग्रामीण स्तर तक पहुॅचे।
4.उच्चशिक्षा का लाभ उनको भी मिले जो नियमित रूप से प्रवेश पाने से वंचित रहते है।
5.उच्चशिक्षा का लाभ उनको मिले जो नौकरी या व्यवसाय कर रहे है।
6.ऐसे लोगों तक उच्च शिक्षा का प्रसार हो जिनके आवास की दूरी संस्थागत संस्थानों से अधिक है।
7.उच्चशिक्षा का लाभ उन लोगों को भी मिले जो नियमित रूप से अनुत्तीर्ण हो चुके है। जिनका पुनः प्रवेश नहीं हो सकता।
8.विश्वविद्यालयों को भी अवसर मिलता है कि वे अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सके।

अध्ययन क्षेत्र तथा समग्र

प्रस्तुत शोध–पत्र का अध्ययन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के समग्र व्यक्तिगत उच्च शिक्षा आयोजित कराने वाले विश्वविद्यालय तथा व्यक्तिगत परीक्षा में बैठने वाले सम्पूर्ण विद्यार्थी हैं। उत्तर प्रदेश में कुल 9 विश्वविद्यालय व्यक्तिगत परीक्षा का आयोजन कराते हैं। ये 9 विश्वविद्यालय– छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झॉसी, महात्मा ज्योतिबाफूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली तथा उनके सम्बद्ध महाविद्यालय हैं।

अध्ययन का निदर्श

अध्ययन के निदर्श के रूप में व्यक्तिगत परीक्षा का आयोजन कराने वाले विश्वविद्यालयों में से दो विश्वविद्यालयों का चुनाव किया गया है। प्रथम वह विश्वविद्यालय है जिसका परिक्षेत्र जनसंख्या अधिक है जिसमें छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का चुनाव किया गया है। दूसरा वह विश्वविद्यालय है जिसका परिक्षेत्र तथा जनसंख्या सबसे कम है जिसमें बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झॉसी का चुनाव किया गया है।

अध्ययन के निदर्श के रूप में दो विश्वविद्यालयों से कुल 905 व्यक्तिगत विद्यार्थियों जो विभिन्न कक्षाओं एवं विभिन्न विषयों से सम्बन्धित हैं को प्रश्नावली वितरित की गई इसमें से कुल 384 उत्तरदाताओं से प्रश्नावलियां प्राप्त हुई। अध्ययन के उपकरण एवं तथ्यों का संकलन–अध्ययन के उपकरण के रूप में प्रश्नावली अनुसूची का उपयोग किया गया है एवं तथ्यों के संकलन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों स्रोतों का उपयोग किया किया गया है। प्राथमिक तथ्यों का संकलन प्रश्नावली अनुसूची के माध्यम से किया जायेगा। द्वितीयक स्रोतों का अध्ययन विश्वविद्यालयों के आंकड़ें, पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाएं, सरकारी आंकड़ें एवं समाचार पत्रों के माध्यम से किया गया है।

तालिका–1 : छात्रों द्वारासंस्थागत रूप से शिक्षाके लिए प्रयास की स्थिति
(कुल संख्या–384)

d-l-	lLFkkxr f'k{kk d fy, i;kl	l[;k	izfr'kr
1	gk	170	44-30
2	ugh	213	55-50
3	dkb tokc ugh	1	0-30
dy		384	100-00

तालिका 1व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली अपनाने वाले छात्रों द्वारा स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत संस्थागत शिक्षा प्राप्त करने के प्रयासों से संबंधित है। तालिका से स्पष्ट है कि कुल 384 छात्रों में से 55.50 प्रतिशत छात्रों ने संस्थागत शिक्षा प्राप्त करने के लिये कोई प्रयास नही किया तथा संस्थागत शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 170 व प्रतिशत 44.30 है। 55.73 प्रतिशत छात्रों ने इस संबंध में कोई जवाब नही दिया।

तालिका–2 : यदि हॉ तो चयनकी स्थिति
(कुल संख्या–384)

d-l-	p;udh fLFkfr	l[;k	izfr'kr
1	gk	125	32-55
2	ugh	45	11-72
3	dkb tokc ugh	214	55-73
dy		384	100-00

तालिका 2 से स्पष्ट है कि जिन छात्रों द्वारा अपनी स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा के लिये संस्थागत रूप से शिक्षा प्राप्त करने के लिये प्रयास किया गया था इनमें से 32.55 प्रतिशत छात्रों का चयनित विश्वविद्यालय/कालेज में नामांकन हो गया था जबकि 11.72 प्रतिशत छात्रों का नामांकन नही हुआ था।

तालिका–3 : संस्थागत रूप से प्रवेश नहीं लेने के कारण
(कुल संख्या–384)

dz-la-	dkj.k	gk¡	ugha	vuqi;qDr
1	vf/kd 'kqYd	103 (82.40)	22 (17.60)	259
2	vkokxeu dh vlqfo/kk	115 (92.00)	10 (8.00)	259
3	ifjokj dk vlg;ksx	110 (88.00)	15 (12.00)	259
4	le; dk vHkko	112 (89.60)	13 (10.40)	259

➢ uksV & dks'Bd esa fn;s x;s vad izfr'kr n'kkZrs gSA

उक्त तालिका 3 में कुल 384 छात्रों में से जिन 125 छात्रों का (तालिका–2) संस्थागत शिक्षा प्राप्त करने के लिये चयन हो गया था लेकिन विभिन्न कारणों से प्रवेश नही लिया का विश्लेषण किया गया है। तालिका से स्पष्ट है कि कुल 125 छात्रों में 92.00 प्रतिशत छात्रों ने आवागमन की असुविधा के कारण संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश नही लिया। 89.60 प्रतिशत छात्रों ने संस्थागत शिक्षा प्राप्त करने के लिये समय के अभाव के कारण प्रवेश नही लिया तथा 88.00 प्रतिशत छात्रों ने परिवार के असहयोग के कारण संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश नही लिया। कुल 125 में 103 छात्र इनका प्रतिशत 82.40 है संस्थागत शिक्षा का शुल्क अधिक होने के कारण प्रवेश नही लिया।

तालिका–4 : व्यक्तिगत शिक्षा के साथ–साथ क्या कार्य
(कुल संख्या–384)

dz-la-	dk;Z	la[;k	izfr'kr
1	ljdkjh ukSdjh	25	6-50
2	izkboV ukSdjh	101	26-30
3	lfonk ukSdjh	23	6-00
4	O;olk;	40	10-40
5	izfr;ksfxrk ijh{kk dh rS;kjh	111	28-90
6	vU; laLFkkxr f'k{kk	38	9-90
7	vU;	46	12-00
	dqy	384	100-00

उक्त तालिका 4छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा प्राप्त करने के साथ–साथ किये जाने वाले कार्यो से संबंधित है। तालिका से स्पष्ट है कि कुल 384 छात्रों में से सर्वाधिक 28.90 प्रतिशत छात्र इनकी संख्या 111 है, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में लगे हुए है। 26.30 प्रतिशत छात्र प्राइवेट नौकरी करने वाले हैं तथा10.40 प्रतिशत छात्र व्यवसाय में लगे हुऐ हैं।9.90 प्रतिशत छात्र संस्थागत रूप से अन्य शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तथा 6.50 प्रतिशत छात्र सरकारी नौकरी करने वाले है। 6.00 प्रतिशत छात्र संविदा प्रकार की नौकरी में लगे हुए हैं जबकि 12.00 प्रतिशत छात्र अन्य प्रकार के कार्यो में लगे हैं।

अतः तालिका विश्लेषण से स्पष्ट है कि व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली अपनाने वाले अधिकतर छात्र नौकरी, व्यवसाय, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी तथा ऐसे छात्र जो नियमित रूप से अन्य शिक्षा प्राप्त करने वाले आदि होते है।

तालिका–5 : छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा चुनने का मुख्य कारण

(कुल संख्या–384)

Ø- l-	O;fDrxr f'k{kk pquus dk eq[; dkj.k	l[;k	izfr'kr
1	ifjokj dh vkfFkd fLFkfr detksj gksuk	214	55-70
2	laLFkkxr :i ls izos'k u gksuk	143	37-20
3	?kj dk dke	255	66-40
4	ukSdjh o O;olk;	205	53-40
5	fu;fer :i ls i<kbZ ds fy, le;kHkko	279	72-70
6	izfr;ksfxrk ijh{kk dh rS;kjh	239	62-20
7	lkekftd izfr"Bk ds fy,	286	74-50
8	"kknh gksuk	114	29-70

तालिका–5 में छात्रों द्वारा व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली को चुनने के कारणों का विश्लेषण किया गया है। तालिका से स्पष्ट है कि 74.50 प्रतिशत छात्र सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिये व्यक्तिगत शिक्षा प्राप्त करते हैं तथा 72.77 प्रतिशत छात्र नियमित रूप से पढ़ाई के लिये समयाभाव के कारण व्यक्तिगत प्रणाली का चुनाव करते हैं। ऐसे छात्र जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे होने के कारण व्यक्तिगत प्रणाली को अपनाते है इनकी संख्या 239 व प्रतिशत 62.20 है। परिवार की आर्थिक स्थिति के कमजोर होने के कारण व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली का चुनाव करने वाले छात्रों की संख्या 214 व प्रतिशत 55.70 है। ऐसे छात्र जो किसी न किसी नौकरी या व्यवसाय में लगे हुये है इनकी संख्या 205 व प्रतिशत 53.40 है।किन्ही कारणों से संस्थागत रूप से प्रवेश नही मिलने वाले छात्रों की संख्या 143 छात्र व प्रतिशत 37.20 है तथाशादी होने के कारण संस्थागत रूप से प्राप्त न कर पाने वाले छात्रों की संख्या 114 व प्रतिशत 29.70 है।

तालिका–6 : विष्वविद्यालय और छात्रों द्वारा व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली चुनने का मुख्य कारण (कुल संख्या–384)

d-l-	dkj.k	cqansy[k.M fo-fo- >kalh	lh , l ts ,e dkuiqj	dqy
1	ifjokj dh vkfFkd fLFkfr detksj gksuk	46 (27.10)	60 (28.00)	106 (27.60)
2	laLFkkxr f"k{kk ds fy;s izos"k u gksuk	20 (11.80)	18 (8.40)	38 (9.90)
3	?kj ds dke	16 (9.40)	13 (6.10)	29 (7.55)
4	ukSdjh	15 (8.80))	28 (13.10)	43 (11.20)
5	fu;fer f"k{kk ds fy;s le;kHkko	36 (21.20)	36 (16.80)	72 (18.75)
6	izfr;ksxh ijh{kk dh rS;kjh	22 (12.90)	41 (19.20)	63 (16.41)
7	lkekftd fLFkfr esa lq/kkj ds fy;	6 (3.50)	9 (4.20)	15 (3.91)
8	"kknh gksuk	8 (4.70)	8 (3.70)	16 (4.17)
9	vU;	1 (0.60)	1 (0.50)	2 (0.52)
	dqy	170 (100.00)	214 (100.00)	384 100.00

➢ ukssV % dks'Bd esa fn;s x;s vad izfr'kr n'kkZrs gSaA

तालिका 6 चुने गये विश्वविद्यालयों के अनुसार छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली चुनने के कारणों के विश्लेषण से संबंधित है। तालिका से स्पष्ट है कि बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के कुल 170 छात्र है इसमें सर्वाधिक 27.10 प्रतिशत छात्र परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को चुनते हैं तथा 21.20 प्रतिशत छात्र नियमित शिक्षा के लिये समयाभाव के कारण व्यक्तिगत प्रणाली का चुनाव करते हैं। लगभग 12.00 प्रतिशत छात्र संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश न मिलने व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को चुनते हैं तथा 9.40 प्रतिशत छात्र घर के काम के कारण व्यक्तिगत प्रणाली को चुनते है। लगभग 4.00 प्रतिशत छात्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी व शादी होने के कारण व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली को चुनते हैं।

तालिका से स्पष्ट है कि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुल 214 छात्र है इसमें से सर्वाधिक 28.00 प्रतिशत छात्र परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को चुनते हैं तथा 19.20 प्रतिशत छात्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के कारण व्यक्तिगत प्रणाली का चुनाव करते हैं। 16.80 प्रतिशत छात्र नियमित शिक्षा के लिये समयाभाव के कारण प्रणाली का चुनाव करते है तथा 8.40 प्रतिशत छात्र संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश न मिलने के कारण व्यक्तिगत प्रणाली को चुनते हैं। 6.10 प्रतिशत छात्र घर के काम के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को चुनते है तथा लगभग 4.00 प्रतिशत छात्र सामाजिक स्थिति में सुधार के लिये व शादी होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को चुनते हैं।

तालिका–7 : लिंगानुसार छात्रों द्वारा व्यक्तिगत प्रणाली चुनने का मुख्य कारण
(कुल संख्या–384)

d- l-	dkj.k	i:"k	efgyk	dy
1	ifjokj dh vkfFkd fLFkfr detkj gkuk	51 (30.54)	55 (25.35)	106 (27.60)
2	lLFkkxr f'k{kk d fy; io"k u gkuk	14 (8.38)	24 (11.06)	38 (9.90)
3	?kj d dke	7 (4.19)	22 (10.14)	29 (7.55)
4	ukdjh o 0;olk;	21 (12.57)	22 (10.14)	43 (11.20)
5	lLFkkxr f'k{kk d fy; le;kHkko	37 (22.16)	35 (16.13)	72 (18.75)
6	ifr;kxh ijh{kk dh r;kjh	31 (18.56)	32 (14.75)	63 (16.41)
7	Lkkekft d fLFkfr e l/kkj d fy;	6 (3.59)	9 (4.15)	15 (3.91)
8	"kknh gkuk	0 (0.00)	16 (7.37)	16 (4.17)
9	vU;	0 (0.00)	2 (0.92)	2 (0.52)
	dy	167 100.00	217 100.00	384 100.00

➢ ukV % dk'Bd e fn;s x;s vd ifr'kr n'kkr gA

उक्त तालिका 7 लिंगानुसार छात्रों द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली चुनने के मुख्य कारणों से संबंधित है। तालिका से स्पष्ट है कि कुल 106 छात्र परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को चुनते है इसमें कुल 167 पुरूषों में से 30.54 प्रतिशत पुरूष व कुल 217 महिलाओं में से 25.35 प्रतिशत महिलायें हैं तथा संस्थागत शिक्षा के लिये समयाभाव के कारण व्यक्तिगत प्रणाली चुनने वाले छात्रों की संख्या 72 है इसमें से कुल 167 पुरूष संख्या का 22.16 प्रतिशत पुरूष व कुल 217 महिला संख्या का 16.13 प्रतिशत महिला हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के कारण व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली को चुनने वाले छात्रों की संख्या 63 है इसमें कुल 167 पुरूषों की संख्या का 18.56 प्रतिशत पुरूष व कुल 217 महिला संख्या का 14.75 महिला हैं तथा नौकरी के कारण व्यक्तिगत परीक्षा को चुनने वाले छात्रों की संख्या 43 है इसमें से कुल 167 पुरूषों की संख्या का 12.57 प्रतिशत पुरूष व कुल 217 महिलाओं में से 10.14 प्रतिशत महिला है।

संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश न मिलने के कारण व्यक्तिगत प्रणाली चुनने वाले छात्रों की संख्या 38 है इसमें कुल 167 पुरूषों की संख्या का 8.38 प्रतिशत पुरूष व कुल 217 महिलाओं में से 11.06 प्रतिशत महिला हैं तथा शादी होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली चुनने वाले छात्रों की संख्या 16 है इसमें कुल महिला परिक्षार्थियों का 7.37 प्रतिशत है। सामाजिक स्थिति में सुधार के लिये प्रणाली चुनने वाले छात्रों की संख्या 15 है इसमें कुल 167 पुरूषों में 3.59 प्रतिशत पुरूष व कुल 217 महिलाओं मे 4.15 प्रतिशत महिला हैं।

निष्कर्ष–उर्पयुक्त शोध–पत्र में व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली के छात्रों द्वारा प्रणाली के चुनने के कारणों का अध्ययन किया गया है।

उक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 44.30 प्रतिशत छात्रों ने संस्थागत शिक्षा के लिये प्रयास किया तथा 32.55

प्रतिशत छात्रों ने चयन हो जाने के बावजूद प्रवेश नही लिया। 92.00 प्रतिशत आवागमन की असुविधा, 89.60 प्रतिशत समय के अभाव, 88.00 प्रतिशत परिवार के असहयोग तथा 82.40 प्रतिशत छात्रों ने उक्त कारणों से संस्थागत शिक्षा ग्रहण नही किया। व्यक्तिगत शिक्षा के साथ–साथ सर्वाधिक 28.90 प्रतिशत छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले हैं।

74.50 प्रतिशत छात्र सामाजिक प्रतिष्ठा के लिये, 72.70 प्रतिशत नियमित पढ़ाई के लिये समयाभाव व 55.70 प्रतिशत छात्र परिवार की आर्थिक स्थिति के कमजोर होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली से अध्ययन करते हैं।

परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा का उपयोग करने वाले छात्रों की संख्या लगभग 28.00 प्रतिशत दोनों विश्वविद्यालयों में समान हैतथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के 19.20 प्रतिशत व बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के 12.90 प्रतिशत छात्र प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने के कारण व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली को चुनते हैं।

30.54 प्रतिशत पुरूष व 25.35 प्रतिशत महिलायें परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण तथा 11.06 प्रतिशत महिलायें व 8.38 प्रतिशत पुरूष संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश न मिलने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली का उपयोग करते हैं।

उक्त शोध–पत्र के विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली अधिकतर छात्र परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण संस्थागत शिक्षा प्राप्त नही कर पाते कारणवश व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करते हैं साथ ही कुछ छात्रों का संस्थागत शिक्षा के लिये प्रवेश नही मिलने के कारण व्यक्तिगत शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करते हैं तथा कुछ छात्र नौकरी व व्यवसाय करने के कारण व पदोन्नति के लिये व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली का उपयोग करते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.Gupta, O.P. : Higher Education in India since Independence U.G.C. and its approach, concept publishing company, New Delhi, 1993 Page-17.
2.उच्चशिक्षा विभाग, कार्यपूर्ति दिग्दर्शिका उत्तर प्रदेश, 2010–2011, पेज 1–2.
3.विपिन चन्द्र : आधुनिक भारत,NCERT New Delhi, pg.93.96.
4.किरन कम्पटीशन टाइम्स, 1049 शिवनगर, अल्लापुर इलाहाबाद–6, पेज 187–189.
5.चन्द्र विपिन : आधुनिक भारत, NCERT New Delhi, pg.183.184.
6.जनसंख्या एवं नगरीकरण : इलाहाबाद पब्लिर्स इलाहाबाद, पेज–10.
7.भारत – 2010, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, सूचना भवन, नई दिल्ली, पेज 276–277.
8.National Policy on Education 1986, as modified in 1992, Government of India Department of Education Ministry of HRD, New Delhi, 1986.
9.भारत 2010 : प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली, पेज–264.
10.Internet online Wikepedia.
11.चौबे, एस.पी. : स्वदेश विदेश में शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, पेज–338–339.
12.उच्चशिक्षा विभाग, कार्यपूर्ति दिग्दर्शिका उत्तर प्रदेश, 2010–2011, पेज–2.
13.उच्चशिक्षा विभाग, कार्यपूर्ति दिग्दर्शिका उत्तर प्रदेश, 2010–2011, पेज–44.
14.www.kanpuruniversity.org
15.www.vbspu.ac.in
16.www.bujhansi.org
17.www.rmlau.ac.in
18.www.mgkvp.ac.in
19.www.ccsuniversity.ac.in

20.www.mjpru.ac.in
21.www.dbrau.ac.in
22.www.ddugu.edu.in

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org